भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 450

गुरूवार, 25 जुलाई, 2024/3 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा

450 श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पूर्वोत्तर में स्थानीय और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए की गई नई पहलें या कार्यनीतियाँ क्या हैं;

(ख) समसामयिक सुविधाओं, राज्यों में सुचारू आवाजाही और स्वच्छ पर्यटन स्थलों के साथ-साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के लिए सरकार की प्रस्तावित योजना क्या है; और

(ग) पर्यटकों की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय ''आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार'' (डीपीपीएच) और ''विदेशों में सवंर्धन और प्रचार'' (ओपीपी) नामक अपनी योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न पहलों के माध्यम से उत्तर-पूर्वी क्षेत्र सहित भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है । वर्तमान में जारी अपने कार्यकलापों के भाग के रूप में यह भारत के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों के संवर्धन के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन तथा आउटडोर मीडिया अभियान नियमित रूप से जारी करता है । पर्यटन मंत्रालय अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से भी विभिन्न पर्यटन स्थलों तथा उत्पादों का नियमित रूप से संवर्धन करता है ।

पर्यटन मंत्रालय ने मेघालय पर्यटन के सहयोग से दिनांक 21 से 23 नवम्बर 2023 को शिलांग, मेघालय में 11वें अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट का आयोजन किया । अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट मंत्रालय द्वारा उत्तर-पूर्वी हितधारकों को अपने देश तथा विदेशी बाजारों के हितधारकों के साथ बातचीत करने और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) की पर्यटन संभावना के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु एक वृहत मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रत्येक उत्तर-पूर्वी राज्य में बारी-बारी

से आयोजित किया जाने वाला प्रमुख कार्यक्रम है । इस आयोजन का लक्ष्य घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के सम्मुख उत्तर-पूर्वी भारत की पर्यटन संभावना, जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करना है ।

आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच) योजना के अंतर्गत मेलों/महोत्सवों तथा पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए उत्तर-पूर्वी राज्यों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है । उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए पिछले पांच वर्षों में स्वीकृत निधियों का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है ।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के अंतर्गत उत्तर-पूर्वी क्षेत्र सहित देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों में पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है ।

पर्यटन मंत्रालय ने गंतव्य और पर्यटन केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी तथा जिम्मेदार पर्यटन स्थलों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को अब स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है ।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है ।

उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत कार्यकलापों का कार्यान्वयन एक सतत कार्य है । पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से समय-समय पर प्रस्ताव प्राप्त होते हैं । निर्दिष्ट प्रावधानों की पूर्ति और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन इन प्रस्तावों को परियोजना के तौर पर स्वीकृति दी जाती है ।

साफ-सफाई और स्वच्छता के तहत्व को समझते हुए पर्यटन मंत्रालय, भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम), ग्वालियर, केंद्रीय होटल प्रबंधन संस्थानों (सीआईएचएम), राज्य होटल प्रबंधन संस्थानों (एसआईएचएम) और फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट्स (एफसीआई) के माध्यम से उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के राज्यों सहित अखिल भारतीय रूप से विभिन्न पर्यटक स्थलों पर स्वच्छता कार्ययोजना का कार्यान्वयन करता है ।

पर्यटन मंत्रालय देशभर में स्वच्छता पखवाड़ा और स्वच्छता ही सेवा जैसे विभिन्न स्वच्छता कार्यकलापों का आयोजन करता है ।

इसके अतिरिक्त उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) में पर्यटन का संवर्धन उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर) के महत्वपूर्ण और प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में से एक है । उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय विभिन्न योजनाओं अर्थात उत्तर-पूर्वी विशेष अवसंरचना विकास योजना (एनईएसआईडीएस); उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री की विकास पहल (पीएम-डीपीवी आईएनई) और उत्तर-पूर्वी परिषद की योजना के अंतर्गत उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में पर्यटन क्षेत्र के विकास संबंधी परियोजनाओं सहित विभिन्न परियोजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है ।

(ग): पर्यटकों की सुरक्षा वास्तव में राज्य सरकार से संबंधित विषय है । तथापि पर्यटन मंत्रालय ने विशिष्ट पर्यटन पुलिस की तैनाती के लिए इस मामले को सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के समक्ष उठाया है । पर्यटन मंत्रालय के प्रयासों से तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गोवा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों ने किसी न किसी रूप में पर्यटक पुलिस की तैनाती की है ।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक पुलिस की आवश्यकता को समझने और पर्यटकों की आवश्यकताओं के संबंध में पर्यटक पुलिस को अवगत कराने के लिए भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान (आईआईटीटीएम) के माध्यम से ''राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में पर्यटक पुलिस के कार्य और उत्कृष्ट कार्यपद्धतियों का अभिलेखन'' पर एक अध्ययन कराया था जो सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को भेजा गया था । प्रशिक्षण हेतु आईआईटीटीएम द्वारा तैयार किया गया प्रशिक्षण मॉड्यूल भी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को भेजा गया है ।

पर्यटकों के लिए और अधिक सुरक्षित परिवेश बनाने के लिए सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में समान पर्यटक पुलिस के कार्यान्वयन के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय ने गृह मंत्रालय और पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआर एंड डी) के सहयोग से अक्तूबर 2022 में सभी राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के पुलिस विभाग के महानिदेशकों (डीजी)/महानिरीक्षकों (आईजी) के लिए पर्यटक पुलिस पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया था ।

पर्यटन मंत्रालय ने भारत में यात्रा संबंधी सूचना के रूप में सहायता सेवा देने और भारत में यात्रा करते समय संकट में फंसे पर्यटकों को उपयुक्त मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए घरेलू और विदेशी पर्यटकों हेतु हिंदी और अंग्रेजी तथा 10 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं (जर्मन, फ्रेंच, स्पेनिश, इतालवी, पुर्तगाली, रूसी, चीनी, जापानी, कोरियाई, अरबी) सहित 12 भाषाओं में टॉल फ्री संख्या 1800111363 या लघु कोड 1363 पर 24X7 बहुभाषी पर्यटक इन्फो-हेल्पलाइन की स्थापना की है ।

*****

अनुबंध ।

श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य द्वारा उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा के संबंध में दिनांक 25.07.2024 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न सं. 450 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में **विवरण**

पिछले पांच वर्षों में मेलों और त्यौहारों तथा पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए उत्तर-पूर्वी राज्यों को वित्तीय सहायता: -

(लाख रु. में)

राज्य का नाम	**वर्ष**	**मेलों और त्यौहारों का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**निर्मुक्त राशि**
असम	2021-22	भोगाली त्योहार	25.00	25.00
		रोंगोली त्योहार	25.00	25.00
अरुणाचल प्रदेश	2019-20	रिवर ट्राइब्स का एंगलिंग फेस्टिवल	25.00	25.00
		एमआईएओ में बटफ्लाई मीट	25.00	25.00
	2020-21	पैडल टु पक्के	25.00	25.00
	2021-22	ईस्टरली एसेंस लेडम फेस्टिवल	25.00	25.00
		संगीत और रोमांच का ऑरेंज महोत्सव	25.00	25.00
	2022-23	सी डोनयी महोत्सव	25.00	25.00
		ऑरेंज फेस्टिवल	25.00	25.00
मणिपुर	2019-20	सांगाई महोत्सव	25.00	25.00
		युथ एडवेंचर एंड वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल	25.00	25.00
मेघालय	2019-20	वंगाला नृत्य	25.00	25.00
		नोंग्क्रेम नृत्य महोत्सव	25.00	25.00
	2021-22	वंगाला नृत्य	25.00	25.00
		नोंग्क्रेम नृत्य महोत्सव	25.00	25.00
	2022-23	वंगाला नृत्य	25.00	25.00
		नोंग्क्रेम नृत्य महोत्सव	25.00	25.00
मिजोरम	2019-20	एंथुरियम महोत्सव	25.00	25.00
		शीतकालीन महोत्सव	25.00	25.00
	2020-21	एंथुरियम महोत्सव	25.00	25.00
		शीतकालीन महोत्सव	25.00	25.00

	2021-22	एंथुरियम महोत्सव	25.00	25.00
		शीतकालीन महोत्सव	25.00	25.00
	2022-23	एंथुरियम महोत्सव	25.00	25.00
		शीतकालीन महोत्सव	25.00	25.00
नागालैंड	2019-20	हॉर्नबिल महोत्सव	25.00	25.00
		थुवु -नी महोत्सव	10.00	10.00
		सुखरुन्ये त्योहार	15.00	15.00
	2021-22	हॉर्नबिल महोत्सव	20.00	20.00
		अंगामी सेक्रेनी त्योहार	10.00	10.00
	2022-23	अहुना महोत्सव	5.00	5.00
		रूना महोत्सव	5.00	5.00
		सेक्रेनयी त्योहार	5.00	5.00
		नागालैंउ हाउस, कोलकाता में शरदोत्सव	5.00	5.00
		नागालैंड हाउस, नई दिल्ली में शरदोत्सव	5.00	5.00
		हॉर्नबिल महोत्सव	25.00	25.00
सिक्किम	2019-20	विश्व पर्यटन दिवस, गंगटोक	25.00	25.00
		लाल पांडा शीतकालीन महोत्सव	25.00	25.00
	2020-21	रेड पांडा विंटर कार्निवल	25.00	25.00
		जोरेथांग माघे मेला	12.50	12.50
		पेलिंग शीतकालीन पर्यटन महोत्सव	12.50	12.50
	2021-22	चेरी टेमी चाय और पर्यटन महोत्सव टेमी चाय बागान दक्षिण सिक्किम	12.50	12.50
		कंचनजंगा शीतकालीन कार्निवल महोत्सव	12.50	12.50
		जोरेथांग माघे मेला	25.00	25.00
त्रिपुरा	2019-20	ख़र्ची मेला	25.00	25.00
		नीरमहल महोत्सव	2.00	2.00
		दिवाली मेला	15.00	15.00
	2020-21	भारत बांग्ला महोत्सव	25.00	25.00
	2022-23	नीरमहल महोत्सव	10.00	10.00
		दिवाली का महोत्सव	5.00	5.00
		चबीमुरा महोत्सव	5.00	5.00

*****

अनुबंध ।।

श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य द्वारा उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा के संबंध में दिनांक 25.07.2024 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न सं. 450 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्यक्षेत्र**	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**निर्मुक्त राशि**
1.	अरुणाचल प्रदेश	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2014-15	भालुकपोंग - बोमडिला और तवांग का विकास	49.77	47.28
2.	अरुणाचल प्रदेश	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	नफरा - सेप्पा - पप्पू, पासा, पक्के घाटियाँ - सांगदुपोटा - न्यू सागली - जीरो - योम्चा का विकास	96.72	91.88
3.	असम	वन्यजीव परिपथ 2015-16	मानस - प्रोबितोरा - नामेरी - काजीरंगा - डिब्रू - सैखोवा का विकास	94.68	89.94
4.	असम	विरासत परिपथ 2016-17	माजुली - शिवसागर का विकास	90.98	90.97
5.	मणिपुर	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	मणिपुर में पर्यटन परिपथ का विकास: इम्फाल- खोंगजोम	72.23	61.32
6.	मणिपुर	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	श्री गोविंदजी मंदिर, श्री बिजॉय गोविंदजी मंदिर - श्री गोपीनाथ मंदिर - श्री बंगशीबोडन मंदिर - श्री कैना मंदिर का विकास	45.34	45.33
7.	मेघालय	उत्तर-पूर्वी परिपथ	उमियम (लेक व्यू), यू लुम सोहपेटबनेंग-मावडियांगडियांग - ऑर्किड लेक रिज़ॉर्ट का	99.13	99.11

		2016-17	विकास		
8.	मेघालय	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2018-19	पश्चिमी खासी हिल्स (नॉन्गख्लाव - क्रेमटिरोट - खुदोई और कोहमांग फॉल्स - ख्री नदी - मावथद्राइशन , शिलांग), जैंतिया हिल्स (क्रांग सूरी फॉल्स - श्यरमंग - इउक्सी), गारो हिल्स (नोकरेक रिजर्व, कट्टा बील, सिजू गुफाएं) का विकास	84.97	84.96
9.	मिजोरम	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	थेनजोल और दक्षिण ज़ोटे, जिला सेरछिप और रेइक का विकास ।	92.26	92.26
10.	मिजोरम	इको परिपथ 2016-17	इको-एडवेंचर परिपथ आइजोल - रावपुइचिप - खावफावप - लेंगपुई - चटलांग - सकाव्रहमुइतुइतलांग - मुथी - बेरात्लांग - तुइरियल एयरफील्ड - ह्मुइफांग का विकास	66.37	53.09
11.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ 2015-16	जनजातीय परिपथ पेरेन- कोहिमा- वोखा का विकास	97.36	97.36
12.	नागालैंड	जनजातीय परिपथ 2016-17	मोकोकचुंग - तुएनसांग -सोम का विकास	98.14	98.14
13.	सिक्किम	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2015-16	रंगपो (प्रवेश) - रोराथांग - अरितार - फादमचेन - नाथांग-शेराथांग - त्सोंगमो - गंगटोक - फोडोंग - मंगन - लाचुंग-युमथांग - लाचेन - थांगु - गुरुडोंगमेर - मंगन - गंगटोक - तुमिनलिंगी - सिंगतम (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	98.05	97.41
14.	सिक्किम	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2016-17	सिंगतम - माका - टेमी - बरमोइक टोकेल - फोंगिया -नामची - जोरथांग - ओखारे - सोम्बारिया-दारमदीन-जोरेथांग-मेल्ली (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ का विकास	95.32	95.32
15.	त्रिपुरा	उत्तर-पूर्वी	अगरतला - सिपाहीजला - मेलाघर -	82.85	77.76

		परिपथ 2015-16	उदयपुर - अमरपुर - तीर्थमुख - मंदिरघाट - डंबूर - नारिकेलकुंजा - गंडाचारा - अंबासा का विकास		
16.	त्रिपुरा	उत्तर-पूर्वी परिपथ 2018-19	सुरमाचेर्रा - उनाकोटी - जम्पुई हिल्स - गुनाबती - भुनानेश्वरी - नीरमहल - बॉक्सनगर - छोटाखोला - पिलक-अवंगचार्रा का विकास	44.83	35.25

स्वदेश दर्शन 2.0

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**गंतव्य**	**हस्तक्षेप का नाम**	**स्वीकृत लागत**
1	सिक्किम	गंगटोक	गंगटोक सांस्कृतिक गांव	22.59
2	मेघालय	सोहरा	मेघालय एज केव एक्सपीरियंस	32.45
3	अरुणाचल प्रदेश	मेचुका	मेचुका सांस्कृतिक हाट	18.48
4	असम	कोकराझार	कोकराझार वेटलैंड एक्सपीरियंस	26.67
5	असम	जोरहाट	सिन्नामारा चाय बागान की पुनर्कल्पना	23.91
6	सिक्किम	ग्यालशिंग	युकसोम क्लस्टर में इको-वेलनेस एक्सपीरियंस	15.40
7	अरुणाचल प्रदेश	नाचो	अनलॉक नाचो एक्सपिडीशन	14.02
8	अरुणाचल प्रदेश	मेचुका	मेचुका एडवेंचर पार्क	12.75
9	मेघालय	सोहरा	वॉटरफॉल्स ट्रेल्स एक्सपीरियंस	27.84
10	नागालैंड	चुमोउकेदिमा	मिडवे रिट्रीट में आदिवासी सांस्कृतिक अनुभव	21.56

प्रशाद योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य का नाम**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत लागत**	**निर्मुक्त लागत**
1	अरुणाचल प्रदेश	परशुराम कुंड, लोहित जिला का विकास।	2020-21	37.88	21.95
2	असम	गुवाहाटी और गुवाहाटी में तथा उसके आसपास तीर्थस्थलों का विकास	2015-16	29.80	29.80

3	मेघालय	मेघालय में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020-21	29.29	24.92
4	मिजोरम	मिजोरम राज्य में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन के लिए अवसंरचना विकास	2022-23	44.89	6.52
5	नागालैंड	नागालैंड में तीर्थयात्रा अवसंरचना का विकास	2018-19	25.20	21.33
6	नागालैंड	जुन्हेबोटो में तीर्थयात्रा पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	18.18	10.90
7	सिक्किम	फोर पेट्रन सेंट्स, युक्सोम में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020-21	33.32	28.31
8	त्रिपुरा	त्रिपुरा सुंदरी मंदिर, उदयपुर का विकास	2020-21	37.80	25.62

पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य का नाम**	**वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**एजेंसी**	**स्वीकृत राशि**	**निर्मुक्त राशि**
1.	असम (नेमाटी, पांडु, जोगीघोपा और विस्वनाथघाट)	2019-20	पर्यटन मंत्रालय ने एनडब्ल्यू-2 (ब्रह्मपुत्र) में 4 जेट्टी के विकास का कार्य जारी रखने की मंजूरी दे दी है।	आईडब्ल्यूएआई	28.03	7.01
2.	मिजोरम	2020-21	आइजोल, मिजोरम में कन्वेंशन सेंटर और संबंधित अवसंरचना का विकास	वैपकोस	39.95	27.69
3.	एनईआर	2022-23	उत्तर-पूर्वी राज्यों में 22 व्यू प्वॉइंट्स का विकास (i) नागालैंड (2 व्यू प्वाइंट)- 5.77 करोड़ रु. (ii) मेघालय (3 व्यू	एनएचआईडीसीएल	44.44	27.06

			प्वाइंट) - 6.26 करोड़ रु. (iii) मिजोरम (9 व्यू प्वाइंट)- 12.78 करोड़ रु. (iv) अरुणाचल प्रदेश (4 व्यू प्वाइंट) - 6.25 करोड़ रु. (v) मणिपुर (3 व्यू प्वाइंट)- 5.93 करोड़ रु. (vi) सिक्किम/पश्चिम बंगाल (1 व्यू प्वाइंट)- 3.70 करोड़ रु.			
4.	असम	2018-19	कामाख्या रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	4.96	4.02
5.	असम	2018-19	गुवाहाटी रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	4.99	4.34

*****